विश्व हिन्दू परिषद् ॐ VISHVA HINDU PARISHAD
हिन्दू हम सब एक
टेलीफैक्स : 91-11 26178992, 26103495
तार : हिन्दूधर्म Gram : " HINDUDHARMA"
Telefax : 91-11-26178992, 26103495
Registered Under Societies Registration Act 1860 No. S 3106 of 1966-67 with Registrar of Societies, Delhi
संकट मोचन आश्रम, (हनुमान मंदिर) सेक्टर-६, रामकृष्ण पुरम्, नई दिल्ली -११००२२(भारत)
SANKAT MOCHAN ASHRAM (HANUMAN MANDIR), SECTOR-VI, RAMAKRISHNA PURAM , NEW DELHI-110 022 (BHARAT)

ॐ

प्रन्यासी मण्डल एवं प्रबंध समिति संयुक्त बैठक–हैदराबाद–28–29 दिसंबर 2014
जी0नारायणम्मा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस, शेखपेठ, गाचीबावली रोड, हैदराबाद (तेलंगाना)

महामंत्री की रिपोर्ट (जनवरी से दिसम्बर, 2014)

सेवा आयाम

इन्द्रप्रस्थ विश्व हिन्दू परिषद द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण व मोतियाबिन्द का ऑपरेशन, रक्त दान व सामान्य परीक्षण जैसे–मधुमेह, रक्तचाप, आयुर्वेद एवं एलोपैथी चिकित्सा का शिविर 24 अगस्त को गांव पूठ खुर्द में आयोजित किया गया। स्वास्थ्य शिविर में आँखों के ऑपरेशन–18, 36 यूनिट रक्त दान, 132–ब्लड शुगर टेस्ट, 200–निःशुल्क चश्मे नम्बर, रोगियों की संख्या 251 रही।

पूर्व आंध्र द्वारा प्रांतीय आचार्य प्रशिक्षण वर्ग नवम्बर में राजमुंदरी में आयोजित किया गया जिसमें गिरिजन विकास केन्द्रम्–विदूरनगरम्, वाल्मीकि विज्ञान केन्द्रम्–वकारीगुडम् और विवेकानंद विद्या निकेतन–अड्डातीगला (3 विद्यालयों) के 21 आचार्य बंधु/भगिनी सहभागी रहे।

नवम्बर (मेरठ जिले के मखदूमपुर) में गंगा घाट पर सेवा शिविर में पांच हजार लोगों ने प्रसाद, पांच सौ लोगों को चिकित्सा सुविधा, लगभग 200 लोगों को खोया पाया केन्द्र द्वारा उनके परिजनों से मिलाया गया।

मुम्बई में महिला सुरक्षा एवं समृद्धि हेतु हिन्दू हेल्प लाईन के तत्वावधान में ओजस्विनी प्रकल्प प्रारम्भ किया गया। बाबा वैद्यनाथधाम–श्रावणी मेला–2014 में देवघर जिला प्रशासन, झारखण्ड द्वारा हिन्दू हेल्प लाइन कार्यकर्ताओं को अच्छे सेवा कार्य हेतु पुरस्कृत किया गया। समाज में चिकित्सा सेवा हेतु प्रेरणा प्रदान करने के लिये हिसार, आगरा, इंदौर में डॉक्टरों के कार्यक्रमों को डॉ. प्रवीणभाई ने सम्बोधित किया। ग्राम शिक्षा मंदिर, धर्मप्रसार, मातृशक्ति, बजरंग दल एवं परिषद कार्यकर्ताओं द्वारा सम्पूर्ण भारत में कुल 58121 स्थानों पर 225 ट्रस्टों के माध्यम से सेवाकार्य चल रहे हैं। दिल्ली में इण्डिया हैल्थ लाईन के तत्वावधान में 17 कैम्प हुए, 3100 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

पाकिस्तान से भारत आए हिन्दुओं की सेवा

दिल्ली कंझावला जिला द्वारा पाकिस्तान के सिंध प्रांत से विगत एक वर्ष में भारत आये हिन्दू परिवार के तारो जी की बेटी गोपनी की शादी धूमधाम से की गयी। रक्षाबन्धन के पावन पर्व पर इन परिवारों को मिठाई, वस्त्र, बर्तन और गैस के चूल्हे वितरित किए। स्वतंत्रता दिवस मनाया, सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये, नवीन आनेवाले परिवारों को बिस्तर व कपड़े दिये गये।

गोरक्षा आयाम

अगस्त 1,2,3 में गोवंश रक्षा कार्य में लगे कार्यकर्ताओं का अ0भा0 वर्ग पुष्कर में संपन्न हुआ। केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक छोडकर देश के शेष सभी राज्यों के 625 कार्यकर्ता, 50 संत व 50 मातायें उपस्थित थीं। डॉ0 रामस्वरूप चौहान (पशु चिकित्सा विज्ञानी), डॉ0 हितेश जानी (आयुर्वेदाचार्य) राजकोट उपस्थित रहे।

दक्षिणी दिल्ली के आश्रम चौक पर टाटा 407 में छिपाकर ले जा रहे दर्जन भर गौवंश कसाइयों के चंगुल से मुक्त कराकर गम्भीर रूप से घायल गायों का उपचार किया।

हिमाचल प्रदेश में कार्यकर्ताओं द्वारा दायर याचिका पर हिमाचल हाईकोर्ट ने गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाते हुए गौ अत्याचार को गंभीर अपराध की श्रेणी में रखने का आदेश राज्य सरकार को दिया।

धर्मप्रसार आयाम

जम्मू कश्मीर, उ0 बिहार के मुजफ्फरपुर, उड़ीसा के सुन्दरगढ़ जिले, मालवा प्रांत के झाबुआ में, पश्चिम आंध्र, उ0 कर्नाटक के बीजापुर, द0 कर्नाटक के मण्डया, झारखण्ड के बानो और सोखाटोली तथा काशी प्रांत के वाराणसी में हिन्दुओं को धर्मान्तरित होने से बचाया गया।

माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर, बांसखोह (जिला जयपुर) में निर्धन एवं जरूरतमंदों को कम्बल भेंट किए गए। देहरादून में निःशुल्क सिलाई कढ़ाई सेण्टर की महिलाओं को प्रमाण पत्र तथा निर्धन छात्रों को कम्बल व गर्म कपड़े भेंट किये।

संबलपुर में छः परिवार के 11 सदस्यों ने, आन्ध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम् जिले में 23 परिवारों के 115 व्यक्तियों ने, मेडक जिले के 16 परिवारों के 78 सदस्यों ने, नलगोंडा जिले के 98 परिवारों ने, कडप्पा जिला में 64 परिवारों के 225 सदस्यों ने, अनंतपुर में 8 परिवारों के 48 सदस्यों ने एक यज्ञ आयोजित करके स्वतः हिन्दू धर्म को पुनः अपनाया। सभी बन्धुओं को हनुमान चालीसा, गीता, तुलसी माला, भगवान राम के चित्र भेंट किये गये। जिला मेडक (आन्ध्रप्रदेश) में निकटस्थ 30 गांवों से पधारे 5000 हनुमत् भक्तों ने सामूहिक हनुमान चालीसा परायण यज्ञ में सहभागिता की। तमिलनाडु के थिरुवेल्लोर में एक दम्पति अपने पूर्वजों के सनातन धर्म में वापिस आया।

2 जुलाई से 27 अगस्त, 2014 तक राजस्थान में महाराज भृर्तहरि जनचेतना रथयात्रा आयोजित करके समाज में संदेश दिया कि हमारी आपसी फूट तथा छुआछूत के कारण आज हम पर संकट हैं, हम सबको गले लगाएं।

भाग्यनगर (हैदराबाद) में दीप पूजन उत्सव में 200 हिन्दू बन्धु–भगिनी सहभागी हुए।

युवाशक्ति मंच के कार्यक्रम में बालोतरा, बाड़मेर, जालौर जिलों के 15 से अधिक स्थानों से लगभग 2000 युवाओं ने भाग लिया। कच्छ मांडवी के बिदडा गांव में हुये सम्मेलन में विविध जाति के युवकों ने भाग लिया। आंणद जिले में चांगा प्रखण्ड में दीपावली स्नेहमिलन सम्मेलन में समाज के विविध जाति के 500 युवक उपस्थित रहे।

सामाजिक समरसता

देश में 80 स्थानों पर अम्बेडकर जयंती, 72 स्थानों पर रविदास जयंती तथा 49 स्थानों पर वाल्मीकि जयंती के कार्यक्रम संपन्न कराये गये। डाकोर श्रीरामजी मंदिर, खाक चौक में '**समरसता संत सम्मेलन**' हुआ, 45 से ज्यादा प्रमुख मंदिरों के पूजनीय संतगण उपस्थित रहे। राजसमन्द (राजस्थान), सामाजिक समरसता युवा संगोष्ठी आयोजित की गई। कटनी (म0प्र0), समरसता यज्ञ आयोजित हुआ। हिसार (हरियाणा) में सामाजिक समरसता के लिये संगीतमय सवा लाख हनुमान चालीसा पाठ किया गया। 5 हजार से अधिक स्कूली बच्चों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। 100 से अधिक मंदिरों, स्कूलों व महिला सत्संग समितियों ने भाग लिया। समारोह में आए साधकों को तुलसी के पौधे दिए गए। विहिप की गतिविधियों, गौरक्षा–गौ संवर्धन द्वारा किए गए रचनात्मक कार्यो की प्रदर्शनी लगाई गई थी।

मातृशक्ति कार्य

अगस्त 23, 24 व 25 को महिला एवं दुर्गावाहिनी कार्य में सक्रिय माता/बहनों का अ0भा0 अभ्यास वर्ग हरिद्वार में संपन्न हुआ, 18 प्रांतों से 115 उपस्थिति रही। गोदावरी जिला आन्ध्र प्रदेश, चित्तौड़गढ़–राजस्थान में व अन्य अनेक स्थानों पर दुर्गाष्टमी पर दुर्गासप्तसती पाठ, शस्त्र पूजन, कन्या पूजन जैसे कार्यक्रम किये गये। कन्याभ्रूण हत्या रोकने तथा अपने परिवार को सुसंस्कारित आदर्श हिन्दू परिवार बनाने का आह्वान किया गया। ग्वालियर में जय आरोग्य अस्पताल में जरूरतमंद घायल मरीजों को, जिनका पैर दुर्घटना में घुटने से ऊपर कट गया था, को बैशाखी भेंट की गयी। इंदौर में दुर्गावाहिनी के द्वारा शक्ति संगम आयोजन हुआ, लगभग 20 हजार माता–बहने थीं, उद्बोधन में कहा गया कि–आधुनिकीकरण का दौर महिलाओं की अस्मिता के लिए खतरा है, हम अपने संस्कार और संस्कृति से जुड़े रहेंगे तभी आगे बढ़ पाएंगे। मातृशक्ति को लव जेहाद और धर्मांतरण के खतरे से

चेताया गया। दिल्ली में दुर्गावाहिनी की बहनों ने महरौली क्षेत्र में रक्षाबंधन पर पुलिस अधिकारियों को तथा पाकिस्तान से आये सिंध के हिन्दुओं को राखी बांधी।

धर्माचार्य संपर्क

कर्नाटक राज्य के संत–महापुरूषों का राज्यस्तरीय दो दिवसीय सम्मेलन बैंगलोर के निकट तुमकुर में 11 व 12 नवम्बर को संपन्न हुआ। सभी जिलों व सभी परंपराओं के संतों को एकत्र लाने का प्रयास रहा। सम्मेलन में 300 संत पधारे। उद्घाटन एवं समापन के अतिरिक्त गटों के अनुसार चर्चा हुई, चर्चा के विषय थे–परावर्तन की आवश्यकता व धर्मांतरण को रोकना तथा आबादी असंतुलन, अस्पृश्यता दूर करके समरसता निर्माण करना, सांस्कृतिक मूल्यों का संरक्षण व गोरक्षा। परमपूजनीय सरसंघचालक प्रथम दिन उपस्थित थे, संतों के साथ जिज्ञासा समाधान का उनका सत्र हुआ। कार्यक्रम तुमकुर के सिद्ध गंगा मठ में हुआ। पूज्य पेजावर स्वामी, सिद्ध गंगा मठ के डॉ0 शिवकुमार महास्वामी जी (आयु 107 वर्ष) आदि चुनचुनगिरि मठ के स्वामी निर्मलानंदनाथ जी, स्वामी शिवरूद्र स्वामी जी (बेलीमठ), विद्यारण्य स्वामी (हम्पीमठ), पूज्य गंगाधरेश्वर जी (स्वर्णवल्लीमठ), धर्माधिकारी वीरेन्द्र हेगडे जी (धर्मस्थल एवं सुत्तूरमठ के स्वामी शिवराजेन्द्र जी महाराज) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

संस्कृत

16वीं लोकसभा के लिये निर्वाचित सांसद संस्कृत भाषा में अपनी शपथ ग्रहण करें, इसके लिये प्रयास किया गया, 35 सांसदों ने संस्कृत में शपथ ली। कर्नूल के जी0 पुल्ला रेड्डी इंजीनियरिंग कॉलेज में भगवद् गीता उच्चारण प्रतियोगिता में 25 विद्यालयों के 600 छात्रों ने भाग लिया। शंकरमठ, चामराजपेठ, बैंगलोर में आठ हजार प्रतिभागियों ने गीता के सात सौ श्लोकों का पाठ किया। महिलाएं आमंत्रित थीं। विभिन्न मठों के पच्चीस से अधिक मठाधीश सहभागी हुए। शताधिक बच्चे भगवान श्रीकृष्ण की वेशभूषा में थे। उत्तर कर्नाटक के श्री हनुमान जन्मस्थान आंजनाद्रि में 25000 युवाओं ने नौ दिन तक नामजप किया। पूर्व आंध्र प्रांत में प्रकाशम जिला के ओंगोलु प्रखण्ड में भगवद्गीता पहला अध्याय का कण्ठस्थ पाठ स्पर्धा संतपेठ शिरडी साईं बाबा मंदिर में सम्पन्न हुआ। अयोध्या, इलाहाबाद, दिल्ली में वेद पूजन कार्यक्रम किये गये। संस्कृत गोष्ठी, विद्वत्सम्मान समारोह तथा एकदिवसीय चिंतन वर्ग का आयोजन दिल्ली में हुआ। दिल्ली के 6 गुरुकुलों में दस दिवसीय संस्कृत शिविर लगे। राजस्थान के दो स्थानों पर संस्कृत वर्ग लगे। कोलकाता, गुना, चकराता, देहरादून व ऋषिकेश में संस्कृत शिविर लगे। दिल्ली में अ0भा0 प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ। कोलकता में पौरोहित्य प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ।

बजरंग दल

चित्तौड़ प्रांत में पांच हजार नवयुवकों ने दण्ड दीक्षा ली। हरिद्वार में दो दिवसीय बजरंगदल राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न हुआ, देशभर से लगभग 800 प्रतिनिधि आये, महर्षि पतंजलि योगपीठ के आचार्य बालकृष्ण जी पधारे एवं उद्घाटन के अवसर पर श्रीमती सुमित्रा कोठारी और श्रीमती शिल्पी वर्मा को विशिष्ट रूप से सम्मानित किया गया। श्रीमती शिल्पी वर्मा अमरनाथ श्राइन बोर्ड आन्दोलन में पहले बलिदान होने वाले कुलदीप डोगरा जी की धर्मपत्नी हैं।

अधिवेशन में पूज्य स्वामी सत्यमित्रानंद जी महाराज (संस्थापक, भारत माता मंदिर) जी का आशीर्वाद कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुआ, महाराज श्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि–गिलहरी को मालूम था कि हमारा प्रयास तो छोटा है परंतु हम अपना कर्त्तव्य तो करेंगे ही। हमारे आदर्श हनुमान जी ने सारे कार्य किए, लेकिन सभी का श्रेय प्रभु श्रीराम को दिया, हम श्रेय लेने की होड़ मे न जावें, अपना दायित्व निभायें।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सर कार्यवाह मा0 सुरेश सोनी जी ने कहा कि हमारा वैचारिक अधिष्ठान "हिन्दुत्व" है। 'हिन्दुत्व को ठीक प्रकार से समझ कर उसका प्रकटीकरण होना चाहिये। सभी का विचार वर्षों पूर्व किया गया है, पर्यावरण की रक्षा कैसे होगी, जल संरक्षण कैसे होगा, हम पिछड़े हुये पुरातन पंथी नहीं अपितु आज के वैज्ञानिक आधार पर भी आधुनिक और सर्वश्रेष्ठ हैं।

अलीपुरद्वार (बंगाल) में बजरंग दल प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग, जोधपुर में चन्द्रशेखर आजाद जयंती, जयपुर में बालटाल स्थित यात्री शिविर में आतंकवाद समर्थित असामाजिक तत्वों द्वारा की गई तोड़फोड़, लूट एवं यात्रियों के साथ मारपीट के विरोध में कार्यक्रम, गोण्डा (उ0प्र0) 14 अगस्त को ''अखण्ड भारत संकल्प दिवस पर मशाल जुलूस निकालकर भारत माता को पुनः अखण्ड बनाने का संकल्प दोहराया गया। जोधपुर में लव जेहाद के विरोध में जन जागरण रैली निकाली गई। जम्मू में ट्रक को पकड़ा जिसमें बैल, पहाड़ी गायें, गर्भवती गायें एवं बूढ़े जानवर थे।

जीन्द (हरियाणा), बांग्लादेशी घुसपैठियों को सीमा पार खदेड़ने हेतु प्रदर्शन। जैसलमेर (राज0) में बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने हेतु श्री राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा।

अयोध्या श्रावस्ती, रुडकी, जयपुर, अम्बाला, दिल्ली, ग्वालियर, भटिण्डा आदि अनेक स्थानों पर 6 दिसम्बर को शौर्य दिवस को आयोजित करते हुये रैली, दीप प्रज्ज्वलन, हनुमान चालीसा पाठ, यज्ञ, मसाल जुलूस आदि कार्यक्रम किये और रामजन्मभूमि मंदिर निर्माण का संकल्प दोहराया गया। मणि रामदास छावनी–अयोध्या के महंत नृत्य गोपाल दास महाराज ने कहा कि चौरासी कोसी में किसी भी प्रकार के इस्लामिक ढांचे को हिन्दू समाज स्वीकार नहीं करेगा।

दिल्ली में त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम में मन्दिरों, गौ, गीता व गायत्री पर हो रहे हमलों, जिहादी आतंकवाद, लव जिहाद, महिला उत्पीड़न व समलैंगिकता जैसी बीमारियों से समाज को छुटकारा दिलाने हेतु आगे आने का आह्वान किया गया।

गंगा रक्षा

गंगा रक्षा–राष्ट्र रक्षा नाम से कार्यशाला हुई जिसमें सुझाव आये कि गंगा का न्यूनतम अविरल प्रवाह सुनिश्चित किया जाये, सीवर में रसायन न डाला जाये, नगरों के प्रदूषित जल को शुद्ध करके सिंचाई के लिए प्रयोग किया जाये, गंगा के उद्गम से लेकर गंगा सागर तक कचरों, माला–फूल, शव, प्लास्टिक को निकालने का कार्य करें, गंगा में माला–फूल, कपड़े, शव आदि न डाला जाये इसका प्रयास हो, गंगा तल में बढ़ते सिल्ट का अध्ययन हो व उसे रोकने का उपाय तथा वर्षा काल में ड्रेजिंग हो, गंगा की सहायक नदियों के तल को गहरा करने का प्रयास किया जाये। रामपुर में गंगा जागरण यात्रा की ताकि समाज में जागृति आये और समाज गंगा को प्रदूषित न करें। मेरठ जिले के मकदूमपुर गंगा घाट पर गंगा स्नान मेले के उपरांत लगभग दो किलोमीटर लंबे गंगा घाट की सफाई की गई।

सत्संग आयाम

वड़ोदरा, साप्ताहिक सत्संग के 27 वर्ष पूर्ण होने के निमित्त कार्यक्रम में 300 उपस्थिति रही। हरिद्वार स्थिति पवित्र गायत्री तीर्थ शांतिकुंज में दस दिवसीय अ0भा0 प्रशिक्षण वर्ग 4 से 13 नवम्बर तक किया गया। इसमें देशभर के 19 प्रान्त, 1 उप प्रान्त (अण्डमान निकोबार) और पड़ोसी देश नेपाल से कुल मिलाकर 28 शिक्षार्थी सहभागी हुए।

ग्राम शिक्षा मंदिर योजना

रामपुर बुशैहर (हिमाचल) में सम्मेलन किया जिसमें 3500 लोगों की उपस्थिति रही, बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। एकल योजना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष में रांची में वनवासियों का सम्मेलन हुआ, 43 हजार वनवासियों ने सहभागिता की। दिल्ली में 21 दिसम्बर को वनवासी रक्षा परिवार कुंभ का आयोजन हुआ, अनुमानित 5000 उपस्थिति थी, कार्यक्रम में निवर्तमान जगद्गुरू शंकराचार्य पूज्य स्वामी सत्यमित्रानंद जी महाराज, परमपूजनीय सरसंघचालक जी एवं माननीय अशोक सिंहल जी उपस्थित रहे।

श्रीराम विवाह बारात यात्रा

''हिन्दू हम सब एक'' का वातावरण निर्माण करने एवं भारत व हिन्दू राष्ट्र नेपाल के सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 17 से 30 नवम्बर 2014 तक ''राम विवाह बारात यात्रा'' आयोजन हुआ, 17 नवम्बर को अयोध्या से अकबरपुर, आजमगढ़, बक्सर, पटना, मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी होते हुये 24 नवम्बर सायंकाल जनकपुर पहुंचे, 27 नवम्बर को विवाह पंचमी थी, 29 नवम्बर

वापसी यात्रा प्रारम्भ करके 30 नवम्बर सायं अयोध्या पहुंची मार्ग में अभूतपूर्व स्वागत हुआ। यात्रा में लगभग 50 संत महापुरुष एवं 200 अन्य ग्रहस्थ कार्यकर्ता सम्मिलित हुये।

हैदराबाद में रामनवमी और हनुमत जयंती के बड़े कार्यक्रम विगत वर्षों के समान हुये। बिहार में रामनवमी के कार्यक्रम बहुत प्रभावी हुये।

अभ्यास वर्ग

जनवरी से जून, 2014 तक देशभर में 79 प्रशिक्षण वर्ग लगे। दायित्ववान कार्यकर्ताओं के दस दिवसीय परिषद शिक्षा वर्ग 17 स्थानों पर, इन वर्गों में 1130 स्थानों से 1696 कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बजरंग दल शौर्य प्रशिक्षण वर्ग 35 स्थानों पर 4450 उपस्थिति रही। दुर्गावाहिनी शौर्य प्रशिक्षण वर्ग में 27 स्थानों पर 4000 उपस्थिति रही। पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं के क्षेत्रीय स्तर पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग तथा जिला टोली के प्रांत स्तर पर ढाई दिन के प्रशिक्षण वर्ग लगे।

विहिप स्वर्ण जयंती वर्ष कार्यक्रम

उद्घाटन कार्यक्रम

मुंबई स्थित सांदीपनी साधनालय में 16 व 17 अगस्त को स्वर्ण जयंती वर्ष का प्रथम अखिल भारतीय कार्यक्रम हुआ। प्रथम दिन देश के 50 प्रमुख संत महापुरुष एवं विहिप के लगभग 50 वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने परिषद के कार्य के संबंध में सामूहिक चिंतन किया। दूसरे दिन प्रथम सत्र में विहिप स्वर्ण जयंती समारोह समिति के माननीय अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र हेगड़े एवं अन्य पदाधिकारी व सदस्य भी उपस्थित रहे, दूसरे दिन सायंकाल प्रसिद्ध षड़मुखानंद सभागार में सार्वजनिक कार्यक्रम हुआ, कार्यक्रम में मुंबई के 3 हजार प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे। दोनो ही दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परमपूजनीय सरसंघचालक श्री मोहनराव भागवत उपस्थित रहे।

शोभायात्रा

पूर्व में लिये गये निर्णय अनुसार 17 व 18 को देशभर में प्रखण्ड स्तर पर शोभा यात्राओं का आयोजन हुआ। 248 जिलों में 7271 शोभायात्रायें हुई, जिसमें अनुमानित 26,77,831 स्त्री/पुरुषों ने सहभाग किया। कार्यक्रमों में इतना उत्साह निर्माण हुआ कि यह शोभा यात्रा परिषद के स्थापना दिवस पर प्रतिवर्ष आयोजित करने की इच्छा अनेक स्थानों पर व्यक्त की गयी।

रक्तदान

2 नवम्बर को देशभर में रक्तदान का निर्णय किया गया था, निर्णयानुसार 980 स्थानों पर 61074 यूनिट रक्तदान हुआ, यह रक्तदान सरकारी अस्पतालों में किया गया। इसके अतिरिक्त 12936 कार्यकर्ताओं का रक्त परिक्षण चिकित्सकों ने किया और इन बंधुओं की नामावली भविष्य में उपयोग के लिये सुरक्षित रखी।

महिला कार्यक्रम

हैदराबाद में महिला स्कूटर रैली में भारी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। लगभग 500 स्कूटरों के साथ निकाली गयी रैली गौलीगुड़ा से आरंभ होकर काचीगुडा, नारायणगुडा, आरटीसी चौराहा, अशोक नगर से होते हुए सिकंदराबाद महाकाली मंदिर प्रांगण में आकर सभा में परिवर्तित हुई। जम्मू कश्मीर प्रान्त के जिला साम्बा के खेरी गांव में स्थित भक्ति वेदांत आश्रम में ''मातृशक्ति सम्मेलन'' का आयोजन किया गया। लखनऊ उत्तर जिला के त्रिवेणी नगर प्रखण्ड में दुर्गा मंदिर प्रांगण में नवरात्रि के पावन पर्व पर मातृशक्ति सम्मेलन का आयोजन किया गया। बद्रिकाश्रम हिमालय से पधारे संत दण्डीस्वामी बलभद्रानन्द सरस्वती जी ने आशीर्वाद दिया।

हैदराबाद में युवा सम्मेलन आयोजन हुआ, गोरक्षनाथ मंदिर के महंत योगी आदित्यनाथ जी ने हिन्दू समाज के सभी वर्गों से एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि ऐसा होने पर ही इस देश में हमारी माताएं, गौमाता, मंदिर व पूरा समाज सुरक्षित रहेगा। महन्त जी ने आह्वान किया कि हम कर्म से भी हिन्दू बने, स्वतंत्रता के बाद हमें जो सांस्कृतिक आजादी मिली थी, उसी के तहत पटेल ने सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्वार करवाया था। इसी प्रकार अयोध्या में भी भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण की आवश्यकता है।

पश्चिम महाराष्ट्र के अंशकालीन और पूर्णकालीन कार्यकर्ताओं का तीन दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया। जोधपुर महानगर द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया गया। अनेक धार्मिक संस्थाओं सहित दस हजार भक्तजन सम्मिलित हुए।

सेवा कुंभ

सूरत, भरूच एवं चिंचवड में सेवाकुंभ संपन्न हुए, रंगमंचीय कार्यक्रम आयोजित किए गए। डेडियापाड़ा, अंजार के कन्या छात्रावास की बालिकाओं ने गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, दुर्गा देवी स्त्रोत, वनवासी नृत्य, रास–गरबा प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। झालोद, संतरामपुर, कथोला, पीपरी, वांसदा, खांभला, देवलपाड़ा, आश्रमशाला के बालक/बालिकाओं ने वनवासी नृत्य, पिरामिड के द्वारा विविध योगासन एवं पाल विद्यालय की बालिकाओं ने राजस्थानी गरबा, अंजार छात्रावास की बालिकाओं ने हनुमान चालीसा, राजस्थानी, काठियावाड़ी नृत्य, एक अभिव्यक्ति नृत्य, डेडियापाड़ा की बालिकाओं ने मराठी नृत्य प्रस्तुत किया। डेडियापाड़ा जानकी विद्यालय के बालक/बालिकाओं ने मा. प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान पर 'वनवासी गांव में स्वच्छता से लाभ' विषयक नाटिका प्रस्तुत की।

विश्व समन्वय कार्य

फिजी, आस्ट्रेलिया में राष्ट्रीय हिन्दू सम्मेलन हुये। अमेरिका के हिन्दू मंदिरों के प्रबंधन मंडल का तीन दिवसीय आठवां अधिवेशन अमेरिका में ही हुआ।

दिल्ली में 21, 22 व 23 नवम्बर को वर्ल्ड हिन्दू कॉग्रेस संपन्न हुई, जिसमें 53 देशों कें 1800 प्रतिनिधि पधारे। सम्मेलन का उद्देश्य संस्कृत का प्रसिद्ध सुभाषित–संगच्छध्वम् संवद्ध्वम्..... **"Sangachchhadhwam Samvadadhwam" (Step Together, Express Together)** था। कॉग्रेस में तीन दिनों में सात विषयों पर सम्मेलन हुये, जिनके विषय थे–हिन्दू आर्थिक फोरम, हिन्दू राजनीति, हिन्दू पत्रकारिता, हिन्दू युवा, हिन्दू महिला, हिन्दू शिक्षा एवं हिन्दू सामाजिक सांस्कृतिक संस्थायें। सभी विषयों के लिये अलग–अलग स्थानों पर कुल 42 सत्र हुये, जिसमें 196 व्यक्तियों ने अपने विचार प्रस्तुत किये, सभी सत्रों की अध्यक्षता एवं संचालन का काम अलग–अलग व्यक्तियों ने किया। भारत सरकार के अनेक मंत्री अपने–अपने विषय के अनुसार सत्रों में उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र में परमपावन दलाईलामा एवं श्रीलंका के उत्तर प्रांत के मुख्यमंत्री न्यायमूर्ति सी.वी. विघ्नेश्वरन तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक के सरसंघचालक एवं संघ विचार परिवार से जुड़े संगठनों के अधिकांश अ0भा0 पदाधिकारी उपस्थित रहे।

केरल में स्वर्ण जयंती का संदेश अधिकाधिक स्थानों तक पहुंचाने की उद्देश्य से वाहन यात्रा का आयोजन 17 नवंबर से 1 दिसंबर तक किया गया। कुल 57 स्थानों पर सार्वजनिक कार्यक्रम तथा 29 स्थानों पर स्वागत कार्यक्रम हुए। 4288 मोटर साइकिल तथा 211 अन्य वाहन सम्मिलित रहे और 40 हजार जनता तक भागीदारी रही।

हिन्दू सम्मेलन

मुम्बई (संख्या अनुमान 75000), कोलकाता (65000), भोपाल (50000) में बडे स्तर पर सम्मेलन सम्पन्न हुए। राजस्थान के कोटपुतली जिले के बिशनगढ गांव में हिन्दू सम्मेलन में 2500 संख्या थी जबकि गांव की आबादी चार हजार है। छोटे से स्थान पेण्ड्रा सम्मेलन में उपस्थिति 2000 रही। महाराष्ट्र के सभी सम्मेलनों में अपार उत्साह अनुभव किया गया, अच्छी संख्या रही। दक्षिण पूर्व असम के हैलाकाण्डी व बराकवैली के सम्मेलनों में भी प्रत्येक में संख्या 7 हजार के आसपास थी। कुल सम्मेलनों का 2/3 भाग जनवरी/फरवरी तथा मार्च के प्रथम सप्ताह तक सम्पन्न होना शेष है।

चम्पत राय

(चम्पतराय)
महामंत्री

————————0————————